

**Bhairav Chalisa** एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान भैरव (महाकाल) की महिमा और उनके दिव्य गुणों की प्रशंसा करता है। भगवान भैरव हिंदू धर्म में शिव के एक अवतार माने जाते हैं और उन्हें काल भी कहा जाता है। **Bhairav Chalisa** को विशेषकर काली चतुर्दशी और शिवरात्रि जैसे धार्मिक अवसर पर भक्तों द्वारा पाठ किया जाता है।

## ॥ श्री भैरव चालीसा ॥ Shree Bhairav Chalisa ॥

### ॥ दोहा ॥

श्री गणपति गुरु गौरी पद प्रेम सहित धरि माथ ।  
चालीसा वंदन करो श्री शिव भैरवनाथ ॥

श्री भैरव संकट हरण मंगल करण कृपाल ।  
श्याम वरण विकराल वपु लोचन लाल विशाल ॥

### ॥ चौपाई ॥

जय जय श्री काली के लाला ।  
जयति जयति काशी-कुतवाला ॥

जयति बटुक-भैरव भय हारी ।  
जयति काल-भैरव बलकारी ॥

जयति नाथ-भैरव विख्याता ।  
जयति सर्व-भैरव सुखदाता ॥

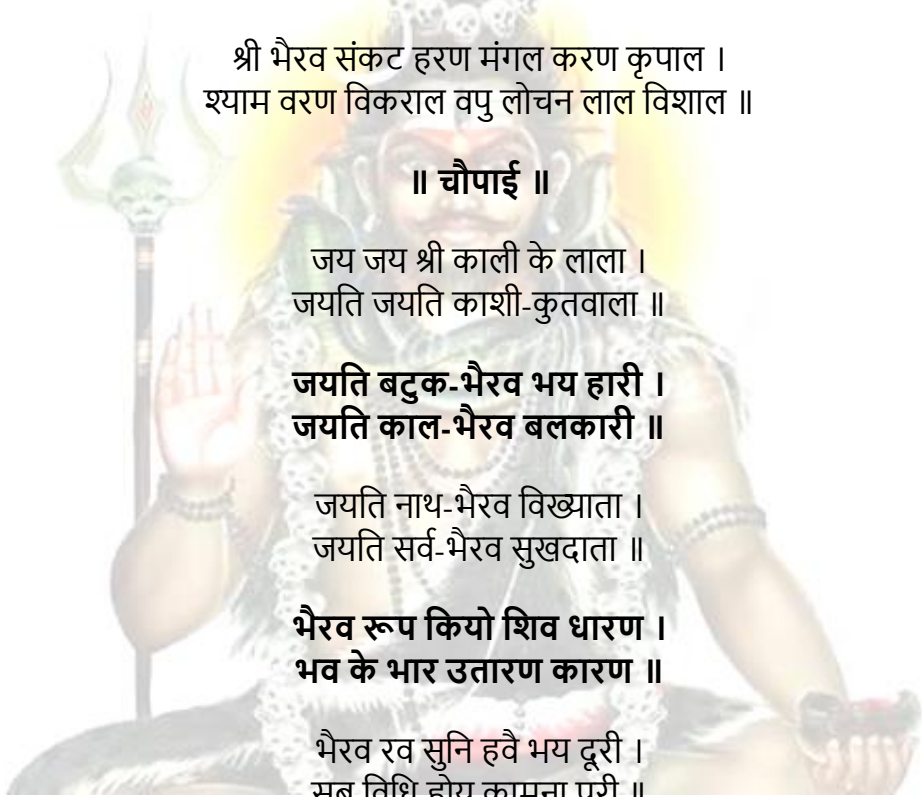
भैरव रूप कियो शिव धारण ।  
भव के भार उतारण कारण ॥

भैरव रव सुनि हवै भय दूरी ।  
सब विधि होय कामना पूरी ॥

शेष महेश आदि गुण गायो ।  
काशी-कोतवाल कहलायो ॥

जटा जूट शिर चंद्र विराजत ।  
बाला मुकुट बिजायठ साजत ॥

कटि करधनी घुंघरू बाजत ।  
दर्शन करत सकल भय भाजत ॥



जीवन दान दास को दीन्हो ।  
कीन्हो कृपा नाथ तब चीन्हो ॥

**वसि रसना बनि सारद-काली ।  
दीन्हो वर राख्यो मम लाली ॥**

धन्य धन्य भैरव भय भंजन ।  
जय मनरंजन खल दल भंजन ॥

**कर त्रिशूल डमरू शुचि कोड़ा ।  
कृपा कटाक्ष सुयश नहिं थोड़ा ॥**

जो भैरव निर्भय गुण गावत ।  
अष्टसिद्धि नव निधि फल पावत ॥

**रूप विशाल कठिन दुख मोचन ।  
क्रोध कराल लाल दुहुं लोचन ॥**

अगणित भूत प्रेत संग डोलत ।  
बम बम बम शिव बम बम बोलत ॥

**रुद्रकाय काली के लाला ।  
महा कालहू के हो काला ॥**

बटुक नाथ हो काल गंभीरा ।  
श्वेत रक्त अरु श्याम शरीरा ॥

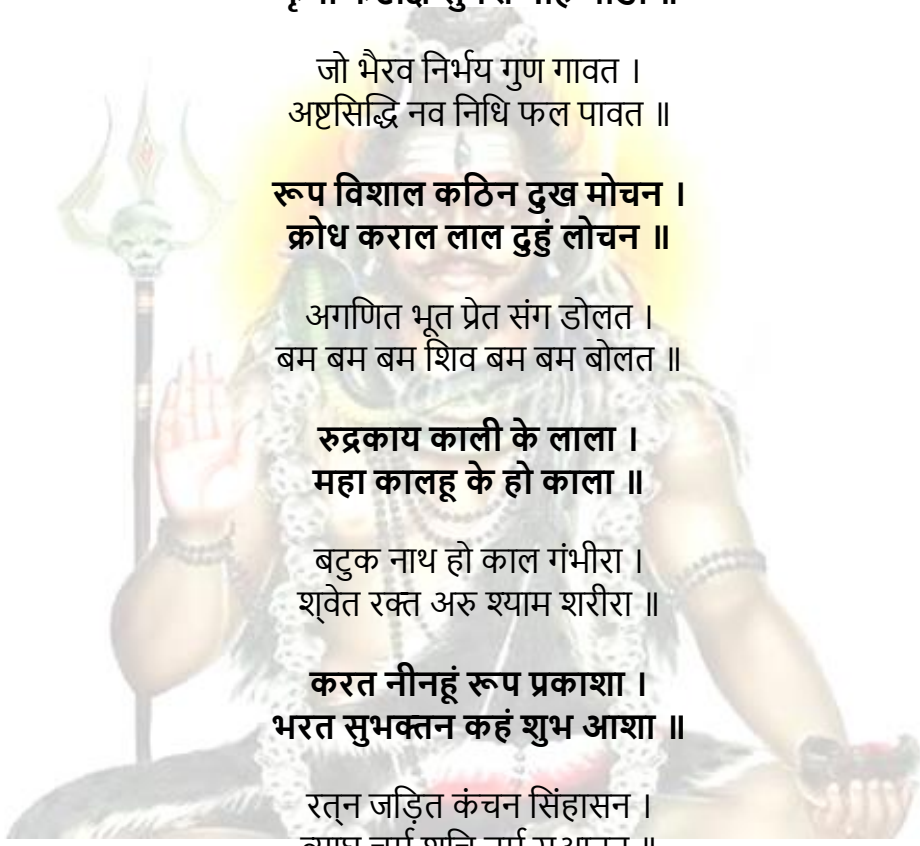
**करत नीनहूं रूप प्रकाशा ।  
भरत सुभक्तन कहं शुभ आशा ॥**

रत्न जड़ित कंचन सिंहासन ।  
व्याघ्र चर्म शुचि नर्म सुआनन ॥

**तुमहि जाइ काशिहिं जन ध्यावहिं ।  
विश्वनाथ कहं दर्शन पावहिं ॥**

जय प्रभु संहारक सुनन्द जय ।  
जय उन्नत हर उमा नन्द जय ॥

**भीम त्रिलोचन स्वान साथ जय ।  
वैजनाथ श्री जगतनाथ जय ॥**



महा भीम भीषण शरीर जय ।  
रुद्र त्रयम्बक धीर वीर जय ॥

**अश्वनाथ जय प्रेतनाथ जय ।  
स्वानारुढ़ सयचंद्र नाथ जय ॥**

निमिष दिगंबर चक्रनाथ जय ।  
गहत अनाथन नाथ हाथ जय ॥

**त्रेशलेश भूतेश चंद्र जय ।  
क्रोध वत्स अमरेश नन्द जय ॥**

श्री वामन नकुलेश चण्ड जय ।  
कृत्याऊ कीरति प्रचण्ड जय ॥

**रुद्र बटुक क्रोधेश कालधर ।  
चक्र तुण्ड दश पाणिव्याल धर ॥**

करि मद पान शम्भु गुणगावत ।  
चौसठ योगिन संग नचावत ॥

**करत कृपा जन पर बहु ढंगा ।  
काशी कोतवाल अड़बंगा ॥**

देयं काल भैरव जब सोटा ।  
नसै पाप मोटा से मोटा ॥

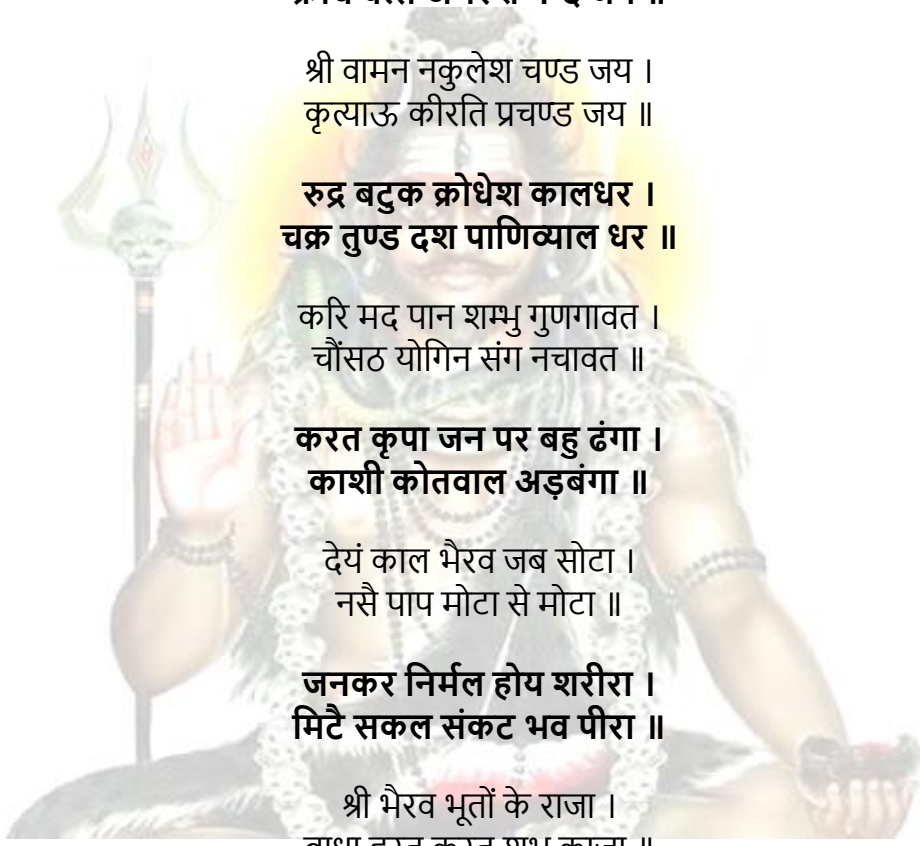
**जनकर निर्मल होय शरीरा ।  
मितै सकल संकट भव पीरा ॥**

श्री भैरव भूतों के राजा ।  
बाधा हरत करत शुभ काजा ॥

**ऐलादी के दुख निवारयो ।  
सदा कृपाकरि काज सम्हारयो ॥**

सुन्दर दास सहित अनुरागा ।  
श्री दुर्वासा निकट प्रयागा ॥

**श्री भैरव जी की जय लेख्यो ।  
सकल कामना पूरण देख्यो ॥**



॥ दोहा ॥

जय जय जय भैरव बटुक स्वामी संकट टार ।  
कृपा दास पर कीजिए शंकर के अवतार ॥

## श्री Bhairav Chalisa की महत्वपूर्ण विशेषताएं

**Bhairav Chalisa** एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान भैरव (महाकाल) की महिमा और उनके दिव्य गुणों की प्रशंसा करता है। भगवान भैरव हिंदू धर्म में शिव के एक अवतार माने जाते हैं और उन्हें काल भी कहा जाता है। **Bhairav Chalisa** को विशेषकर काली चतुर्दशी और शिवरात्रि जैसे धार्मिक अवसर पर भक्तों द्वारा पाठ किया जाता है।

**भगवान की प्रशंसा:** **Bhairav Chalisa** के पाठ से भक्त भगवान भैरव की प्रशंसा करते हैं और उनके दिव्य गुणों की स्तुति करते हैं।

**काली चतुर्दशी और शिवरात्रि:** **Bhairav Chalisa** को काली चतुर्दशी और शिवरात्रि जैसे धार्मिक अवसर पर पाठ करने से भक्तों को भगवान भैरव की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है।

**भैरव की कृपा:** **Bhairav Chalisa** के पाठ से भक्त को भगवान भैरव की कृपा और आशीर्वाद मिलता है, जो उन्हें सुख, समृद्धि, और समस्याओं से मुक्ति के लिए प्रेरित करता है।

**संकट नाशन:** **Bhairav Chalisa** के पाठ से भक्तों को संकटों से निजात मिलती है। मान्यता है कि भगवान भैरव की कृपा से भक्त के सभी संकट और दुर्भाग्य नष्ट हो जाते हैं।

**धार्मिक सम्मान:** **Bhairav Chalisa** के पाठ से भक्त की धार्मिक सम्मानता विकसित होती है और उन्हें धार्मिक कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने का बोध होता है।

इस प्रकार, **Bhairav Chalisa** काली चतुर्दशी और शिवरात्रि जैसे धार्मिक अवसरों पर भक्तों के लिए एक प्रमुख धार्मिक पाठ है, जो उन्हें भगवान भैरव की महिमा, कृपा, संकट नाशन, और धार्मिक सम्मानता के लिए प्रेरित करता है।

Visit: <https://sunderkand.net/>